जीत का चौका लगाने उतरेगा भारत

कुलदीप को मिल सकता है मौका, फिट हुए ईशान तो बाहर हो सकते हैं वैभव सूर्यवंशी, न्यूजीलैण्डके साथ चौथा टी-२० आज



आकलैंड (एजेन्सियां)। शृंखला जीतने के बाद भारतीय टीम अब न्यूजीलैण्ड के खिलाफ शुक्रवार को चौथे टी-२० मैच में भी जीत का चौका लगा क्लीन स्वीप करने की ओर कदम बढ़ाने के इरादे से उतरेगी। इस मुकाबले में अजेय टीम इण्डिया बदलाव के साथ भी उतर सकती है। चौथे मैच में कुलदीप यादव और वरूण चक्रवर्ती को मौका दिया जा सकता है। दोनों स्पिनरों को पिछले कुछ महीनों में उतने मौके नहीं मिले हैं क्योंकि टीम प्रबंधन आठवें नंबर तक बल्लेबाजों को चुनने की रणनीति पर जोर देता आया है। अब तक यह रणनीति कारगर भी रही है जिसके दम पर भारत ने तीनों मैच जीते। अगले दो मैचों में अब उतना दबाव नहीं है तो भारत अपने टीम संयोजन में प्रयोग कर सकता है। वरूण का फार्म पिछले छह महीने में अच्छा नहीं रहा है लेकिन कुलदीप ने बीच के ओवरों में विकेट चटकाये हैं। उन्हें वेस्टइण्डीज के खिलाफ घरेलू शृंखला में दो मैचों में मौका मिला लेकिन न्यूजीलैण्ड के खिलाफ पहले तीन मैचों में बेंच पर ही रहे। कुलदीप को और बाहर रखने से उनके आत्मविश्वास पर असर हो सकता है लेकिन उन्हें टीम में लाने के लिये निचले क्रम तक बल्लेबाजी की मानसिकता से पार पाना होगा। तीसरे टी-२० में दो स्पिनर हरफनमौला अक्षर पटेल और नमन धीर थे जिन्हें गेंदबाजी का भी मौका नहीं मिला। अब तक ११५ मैचों में ७.७० की इकानामी से गेंदबाजी करने वाले अक्षर शृंखला में ९.५८ रन प्रति ओवर की दर से रन दे चुके हैं और उन्हें दो ही विकेट मिले हैं। तेज गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार ने वेलिंगटन में पिछले मैच में डैथ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया और आखिरी ओवर में लगातार यार्कर डाले। पहले तीन मैचों में हालांकि उन्होंने ७२ गेंद में १३९ रन दे डाले और वह काफी महंगे साबित हुए। चार साल बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे भुवनेश्वर को इसमें सुधार करना होगा। पिछले दो मैचों में मयंक यादव की जगह प्रिंस यादव को उतारा गया। अब देखना है कि मयंक को मौका मिलता है या टीम अब तक प्रभावी रहे प्रिंस पर ही भरोसा करती है। ईशान किशन ग्रोइन की चोट के कारण पिछले दो मैच नहीं खेल सके। वह अगर कल भी नहीं खेल पाते हैं तो वैभव सूर्यवंशी को फिर मौका मिल सकता है। वेलिंगटन में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अभिषेक शर्मा की पारी ने सुर्खियां बंटोरी। न्यूजीलैण्ड के लिये सबसे बड़ी चुनौती भारतीय शीर्षक्रम पर अंकुश लगाने की होगी। संजू सैमसन, अभिषेक और सूर्यवंशी ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन करके न्यूजीलैण्ड के गेंदबाजों को परेशान किया है। कप्तान मिचेल सेंटनेर ने बायें हाथ की स्पिन गेंदबाजी से प्रभावित किया लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल सका। भारत ने वेलिंगटन में पहले छह ओवरों में ही रेकार्ड ११८ रन बना लिये थे। मैट हेनरी के बाद लाकी फर्ग्युसन के भी चोट के कारण शृंखला से बाहर होने से न्यूजीलैण्ड टीम को एक और झटका लगा है।

भारत-श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, नमन धीर, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, प्रिंस यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, मयंक यादव, कुमार कुशाग्र, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

न्यूजीलैण्ड-फिन एलन, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, डेवोन कानवे, मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रैसवेल, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर, मैट फिशर, काइल जैमीसन, जैकब डफी, एडम मिल्ने, जोश क्लार्कसन।

समय-दोपहर १२.३० बजेसे।

सौराष्ट्र, विदर्भ और कर्नाटक पारी से जीते

रणजी ट्राफी :बंगाल, मुम्बई की सीधी जीत



राजकोट/नागपुर (एजेन्सियां)। सौराष्ट्र, विदर्भ और कर्नाटकने जहां रणजी ट्राफी के मुकाबले में पारी की जीत के साथ बोनस अंक हासिल किये वहीं बंगाल और मुम्बई ने सीधी जीत दर्ज की। राजकोट में बायें हाथ के स्पिनर पार्थ भूत (८-१७) की घातक गेंदबाजी के दम पर सौराष्ट्रने असम को पारी और १२ रन से हराकर एलीट ग्रुप बीमें दूसरा स्थान हासिल कर लिया। तीसरे दिन असमके सात विकेट ६५ रनपर निकालने के बाद सौराष्ट्रकी जीत औपचारिकता मात्र बची थी। पार्थ भूतने सात रनके भीतर छह विकेट चटकाये। असमकी टीम दूसरी पारीमें ९४ रनपर सिमट गयी। असम के पहली पारी के २८१ रन के जवाबमें सौराष्ट्र ने ३८७ रन बनाये थे। पारीके अंतर से जीतके साथ सौराष्ट्र को एक बोनस अंक भी मिला। एक अन्य मैच में कर्नाटकने भी त्रिपुराको पारी और ११६ रनसे हराकर सात अंक हासिल किये। त्रिपुराने पहली पारीमें १९४ और दूसरी पारीमें १८० रन बनाये। कर्नाटकने पहली पारी नौ विकेटपर ४९० रन बनाकर घोषित की थी। कर्नाटकके लिये श्रेयस गोपालने ३६ रन देकर पांच विकेट लिये जबकि मनवंत कुमार और विजय कुमार विशाक को दो-दो विकेट मिले। वहीं सिकंदराबादमें पंजाब और मेजबान हैदराबादका मैच ड्रा रहा। नागपुर में बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबेकी करामाती गेंदबाजीकी मदद से विदर्भने गोवाको दूसरी पारी में १९५ रन पर समेटकर ग्रुप ए मैच के आखिरी दिन पारी और २७ रन से जीत दर्ज की। फालोआन खेलते हुए गोवाकी टीम दुबेकी गेंदबाजी का सामना नहीं कर सकी। दुबे ने ३८ रन देकर चार विकेट चटकाये जिनमें मंथन खुटकर (७०) का विकेट शामिल था। यह विदर्भ की लगातार तीसरी जीत है जिससे वह १८ अंक लेकर ग्रुप ए में शीर्ष पर है। इससे पहले ध्रुव शोरे के १६८ रन की मदद से आठ विकेट पर ४४२ रन बनाकर विदर्भ ने पहली पारी घोषित करके २२२ रन की बढ़त ली थी। दानिश मालेवार ने ५६ और अक्षय वाडकर ने ६३ रन बनाये थे। गोवा ने पहली पारी में २२० रन बनाये थे। दूसरी पारी में खुटकर ने १६० गेंदमें ७० रन बनाकर गोवा की उम्मीदें कायम रखी लेकिन दूसरे छोर से उन्हें सहयोग नहीं मिला। शिवेंद्र भुजबल ने ७९ गेंद में ४५ रन बनाये और बाकी बल्लेबाज नाकाम रहे। मंगलापुरम में स्पिनर प्रदीप्ता प्रमाणिक के दस विकेट और शाहबाज अहमदके हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर बंगालने ग्रुप सी के मैचमें केरलमको २८७ रन से हरा दिया। जीत के लिये ४०८ रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केरलमने चार विकेट पर ५३ रन से आगे खेलना शुरू किया और ३८.४ ओवर में १२० रन पर पूरी टीम आउट हो गयी। बंगाल की यह इस सत्र में लगातार तीसरी जीत है और १८ अंक लेकर वह ग्रुप सी में शीर्ष पर है। अपना १९वां प्रथम श्रेणी मैच खेल रहे प्रमाणिक ने दूसरी पारी में ५१ रन देकर छह विकेट लिये जबकि पहली पारी में उन्होंने ४४ रन देकर चार विकेट चटकाये थे। वहीं रांची में दिल्ली ओर झारखंड के बीच मैचमें लगातार दूसरे दिन चक्रवात 'अर्णब' के कारण हो रही बारिश की वजह से खेल नहीं हो सका। ड्रा रहे मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर दिल्लीको तीन अंक मिले। झारखंड को एक ही अंक मिला। भुवनेश्वर में ओडिशा और सेनाके बीच मैच में भी लगातार तीन दिन चक्रवात 'अर्णब' के कारण खेल नहीं हो सका जिससे दोनों टीमों को एक एक अंक मिला। मुम्बईमें तनुष कोटियनने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ८१ रन देकर आठ विकेट लिए जिससे मुम्बईने ग्रुप डी के मैच में हरियाणाको १० विकेटसे करारी शिकस्त देकर बोनस अंक हासिल किया। मुम्बईने इस तरह से लगातार तीसरे मैच में बोनस अंक हासिल किया। उसके सामने केवल ९७ रन का लक्ष्य था। सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी (नाबाद ६७) और दिव्यांश सक्सेना (नाबाद ३०) ने केवल १०.४ ओवर मुम्बई को लक्ष्य तक पहुंचा दिया और उसे सात अंक दिलाए।

भारतने चीनको भी धोया



जालंधर (एजेन्सियां)। कप्तान हरमनप्रीत सिंह और स्ट्राइकर सुखजीत सिंह ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने दो-दो गोल किये जिससे भारत ने गुरुवार को यहां एशियाई चैम्पियंस ट्राफी (एसीटी) हाकी टूर्नामेंट में चीन को ५-२ से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में बांग्लादेश को १३-० से हराया था, जबकि चीन एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता मलयेशिया से ४-५ से हार गया था। भारत अपना अगला मैच शुक्रवार को जापान के खिलाफ खेलेगा जबकि चीन का मुकाबला दक्षिण कोरिया से होगा। भारतीय टीम ने शुरू से ही खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और उसके खिलाड़ी कई बार सर्कल में पहुंचे। १२वें मिनट में जुगराज ने चीन के सर्कल के अंदर अकेले खड़े सुखजीत को गेंद दी जिसे इस स्ट्राइकर ने खूबसूरती से चीन के गोलकीपर हुआन्यु वू के ऊपर से गोल में डाल दी। चीन को १८वें मिनट में पेनल्टी कार्नर के रूप में पहला मौका मिला लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने इसे नाकाम कर दिया। इसके बाद भारत ने २०वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कार्नर हासिल किये लेकिन इनका फायदा उठाने में नाकाम रहा। भारतीय टीम ने लगातार हमले किए लेकिन चीन की रक्षापंक्ति ने अच्छा खेल दिखाकर उसे गोल नहीं करने दिया। चीन की युवा और अनुभवहीन टीम ने पेनल्टी कार्नर से २६वें मिनट में बराबरी का गोल किया। तब पेंग यांग ने भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक के दाईं ओर ड्रैग-फ्लिक से गोल दागा। भारत ने जवाबी हमला किया और एक मिनट बाद ही फिर से बढ़त हासिल कर ली। हरमनप्रीत ने भारतीय टीम को मिले तीसरे पेनल्टी कार्नर पर फ्लिक शाट से गोल किया। चीन की टीम ने हाफटाइम से महज ३० सेकंड पहले लगातार दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन भारत ने उन्हें इसका फायदा नहीं उठाने दिया। भारत ने दूसरे हाफ शानदार शुरुआत की। हरमनप्रीत ने टीम के चौथे पेनल्टी कार्नर पर एक और शानदार फ्लिक शाट से गोल करके भारत टीम को ३-१ की बढ़त दिला दी। भारत ने तीन मिनट बाद अपनी बढ़त को और मजबूत कर दिया जब सुखजीत ने आदित्य अर्जुन लालगे के पास को गोल में बदला। चीन के युवा खिलाड़ी हार मानने के मूड में नहीं थे और उन्होंने दो मिनट बाद ही चोंगकान्ग चेन के पेनल्टी कार्नर पर किए गए गोल से स्कोर ४-२ कर दिया। भारत को जल्द ही अपना पांचवां पेनल्टी कार्नर मिल गया लेकिन इस बार जुगराज सिंह के फ्लिक शाट को चीन के गोलकीपर वू ने आसानी से रोक दिया। भारत ने चीन की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाए रखा और चौथे और अंतिम क्वार्टर के दो मिनट बाद लगातार दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए। इस बार जुगराज ने कोई गलती नहीं की और दमदार ग्राउंडेड फ्लिक से गोल दाग दिया। भारत को फाइनल हूटर बजने से दो मिनट पहले एक और पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन इस बार हरमनप्रीत के प्रयास को चीन के गोलकीपर ने नाकाम कर दिया।

एशियाई चैम्पियंस ट्राफी

मनीषा ने बरकरार रखी विश्व चैम्पियन बननेकी उम्मीद

अस्ताना (एजेन्सियां)। मनीषा भानवाला ने गुरुवार को यहां विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में महिलाओं के ५९ किलोग्राम भारवर्ग में कजाकिस्तान की अल्टीन शागायेवा को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया और विश्व चैम्पियन बनने की भारत की उम्मीदों को जीवंत रखा। नीलम सिरोही और काजल धोचक के रजत पदक से संतोष करने के एक दिन बाद मनीषा मौजूदा चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक के मुकाबले में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय पहलवान बन गयी। इससे भारत की विस्व चैम्पियन के लिए लंबे इंतजार को खत्म करने की उम्मीद बंध गयी है। मनीषा ने अपनी प्रतिद्वंदी शागायेवा को 'पिन फाल' करने से पहले १०-० की बढ़त बना ली थी। स्वर्ण पदक के मुकाबले में उनका सामना पैन अमेरिकन चैम्पियन अबीगैल एलिजाबेथ नेट से होगा। वहीं पिछले एक साल से शानदार प्रदर्शन कर रहे सुजीत कलकल का विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने का सपना फिर अधूरा रह गया और वह पुरूषों के ६५ किलो ग्राम भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान के अब्दुल मजीद कुदियेव से हार गये।

अब पहली गेंद से बाउंड्री तलाशता हूं

-तिलक वर्मा



आकलैंड (एजेन्सियां)। भारतीय टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने कहा कि बल्लेबाजी क्रम में तीसरे से पांचवें नंबर पर खिसकने के बाद उनकी सोच में बदलाव आया है और अब वह क्रीज पर जमने पर फोकस करने की बजाय पहली ही गेंद से चौके-छक्के लगाने की कोशिश करते हैं। पिछले एक साल में लक्ष्य का पीछा करने में महारत हासिल करने वाले तिलक ने न्यूजीलैण्ड के खिलाफ दूसरे टी-२० में नीतिश रेड्डी के साथ भारत को संकट से निकाला था। भारत पांच मैचों की शृंखला में ३-० से आगे है। चौथे टी-२० से पहले तिलक ने कहा मेरे पास पहले ही से पावर गेम था। मैने तीसरे नंबर पर भी रन बनाये हैं। अब पांचवें या छठे नंबर पर पहली ही गेंद से चौके-छक्के लगाने की सोचता हूं। उन्होंने कहा पहले मैं क्रीज पर जमने में समय लेता था और शुरूआत एक दो रन लेकर करता था। उन्होंने कहा कि वह गेंदबाजों के दिमाग को पढ़ने की कोशिश करते हैं जिन पर बल्लेबाजों से ज्यादा दबाव होता है। तिलक ने कहा आखिरी ओवरों में गेंदबाजों पर बल्लेबाज से अधिक दबाव होता है। मेरे दिमाग में हमेशा यही सकारात्मक सोच रहती है कि गेंदबाज मुझसे ज्यादा दबाव में है और रन बनेंगे ही। तिलक वर्मा ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम बैठकों में खिलाड़ियों को स्पष्ट कर दिया है कि टी-२० टीम का प्रदर्शन आगामी एकदिनी और टेस्ट टीमों के लिए भी गति तय करेगा। तिलक के मुताबिक यह लंबा दौरा है और भारतीय खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन का स्तर बनाये रखना होगा। तिलक ने कहा कि भारत को घरेलू मैदान पर वेस्टइण्डीज के खिलाफ शृंखला खेलने के तुरंत बाद न्यूजीलैण्ड पहुंचना पड़ा। ऐसे में परिस्थितियों और समय क्षेत्र के अनुसार खुद को ढालना आसान नहीं था। हालांकि उन्होंने कहा कि इस स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी इन चीजों का बहाना नहीं बना सकते। हम सर्वोच्च स्तर पर खेल रहे हैं और हमें उन युवा खिलाड़ियों के लिए मानक तय करने होंगे जो हमें देखकर प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मैदान पर रणनीतिक सुझाव साझा करना उन्हें पसंद है। तिलक ने अपनी फील्डिंग को लेकर भी अनुभव साझा किया और कहा कि साल २०२६ में वह एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले फील्डर बन गये हैं। तिलक ने कहा कि वह अपनी नयी जिम्मेदारी का भरपूर आनंद उठा रहे हैं। टी-२० विश्वकप २०२६ के बाद नेतृत्व में हुए बदलाव के दौरान श्रेयस अय्यर को कप्तान और तिलक को उपकप्तान बनाया गया था। तिलक को अपने राज्य हैदराबाद और इंडिया ए टीमों की कप्तानी करने का भी अनुभव है। उन्होंने कहा मैंने अपने राज्य के लिए हर फार्मेट में कप्तानी की है।

रमन हाउस ले उड़ा खिताब



वाराणसी। रमन हाउसने बाल खेल मेलाके दूसरे दिन गुरुवारको रस्सा-कसी प्रतियोगिताके बेस्ट आफ थ्री मुकाबलेमें सुभाष हाउसको कड़े संघर्षमें २-१ से पराजितकर विजेता होनेका गौरव हासिल किया। परमानंदपुर मिनी स्टेडियममें हुए इस मुकाबलेमें दोनों टीमोंके खिलाड़ियोंने जोश, ताकत, धैर्य और सामूहिक प्रयास के सहारे खिताब जीतनेके लिए पूरा जोर लगाया। एक समय स्कोर १-१ से बराबर था। उस समय यह कहना मुश्किल था कि कौन सी टीम बाजी मारनेमें सफल रहेगी लेकिन अंतिम एवं निर्णायक मुकाबलेमें रमन हाउस ताकतमें भारी पड़ा और जीतके साथ खिताब ले उड़ा। विजेता टीमके लिए आलोक यादव, लकी पटेल, अनूप यादव, आर्यन राजभर, प्रिंस पटेल, आयुष सिंह, नैतिक गुप्त और रिशु गुप्तका खेल सराहनीय रहा। कार्यक्रमकी संयोजक सरिता दूबे और सुनीता पटेलके अनुसार बारिशके चलते अन्य मुकाबले नहीं हो सके।

गिल ने किया अभ्यास

आकलैंड (एजेन्सियां)। भारत के टेस्ट और एकदिनी कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैण्ड के खिलाफ चार नवम्बर से ईडन पार्क पर शुरू हो रही पांच मैचों की एकदिनी शृंखला से पहले यहां नेट अभ्यास किया। गिल ने अभ्यास सत्र के दौरान फिटनेस पर नजर रहने वाला यंत्र 'टेम्पल' अपने माथे पर पहना हुआ था। विकेटकीपर बल्लबाज केएल राहुल और तेज गेंदबाज गुरनूर बरार भी भारतीय टीम से जुड़ गये हैं। एकदिनी शृंखला में भारत के सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा भी नजर आयेंगे। गिल अपने करीबी दोस्त और टी-२० में भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से बात करते नजर आये। अभिषेक ने न्यूजीलैण्ड के खिलाफ तीसरे टी-२० में ३८ गेंद में ११३ रन बनाये थे। ग्रोइन की चोट से उबर चुके ईशान किशन और राहुल ने बल्लेबाजी का अभ्यास किया। भारतीय कप्तान ने बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटकसे भी बात की। एकदिनी शृंखलाके बाद १९ नवम्बरसे दो टेस्ट मैचों की शृंखला में भी गिल कप्तान होंगे।

सिंधू, लक्ष्य जीते, प्रणय का सफर थमा

हाइलो ओपन



नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय खिलाड़ियोंने जर्मनीमें खेले जा रहे बीडब्ल्यूएफ हाइलो ओपन सुपर ५०० बैडमिण्टन टूर्नामेंटमें बुधवारको दमदार प्रदर्शन किया। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने अपने शुरुआती मुकाबले जीतकर दूसरे दौर में जगह बनाई। वहीं, किरण जार्ज, उन्नति हुड्डा, ईशारानी बरुआ और अनमोल खरबने भी जीत के साथ अगले दौरमें प्रवेश किया। हालांकि एचएस प्रणयको हार का सामना करना पड़ा। महिला एकलमें दूसरी वरीयता प्राप्त पीवी सिंधूने शानदार प्रदर्शन करते हुए संयुक्त अरब अमीरातकी प्रकृति भरत को सीधे गेमों में २१-१०, २१-१० से हराया। मुकाबला महज २८ मिनट तक चला। पुरुष एकल में सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेनको फिनलैंड के जोआकिम ओल्डोर्फके खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। सेन पहला गेम १६-२१ से हार गये लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की और दूसरा गेम २१-९ और तीसरा गेम २१-१३ से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। किरण जार्ज ने मलेशियाके चीम जून वेई को २१-१८, २१-१७ से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। भारत के अनुभवी शटलर एचएस प्रणय का अभियान पहले दौर में ही समाप्त हो गया। उन्हें फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त टोमा जूनियर पोपोव ने २३-२१, २१-१६ से हराया। तरुण मन्नेपल्ली और शंकर सुब्रमण्यन को भी हार का सामना करना पड़ा। तरुण को चीनी ताइपे के ची यू जेन ने, जबकि शंकर को फिनलैंड के काले कोलजोनेन ने हराया। वहीं आयुष शेट्टी चोट के कारण टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही हट गये। महिला एकलमें छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डाने पहला गेम गंवानेके बाद शानदार वापसीकी। उन्होंने चेक गणराज्य की टेरेजा स्वाबिकोवाको १७-२१, २१-१२, २१-११ से हराकर दूसरे दौरमें जगह बनाई। ईशारानी बरुआने जर्मनीकी मिरांडा विल्सनको २१-१९, २१-९ से शिकस्त दी। वहीं अनमोल खरबने श्रीलंकाकी रनिथमा लियानागेको कड़े मुकाबलेमें २१-१८, २२-२० से हराकर अगले दौर का टिकट कटाया। एक अन्य मुकाबले में मालविका बंसोड़ने हमवतन देविका सिहागके खिलाफ १८-२१ से, २१-१०, २१-१४ से जीत दर्ज की।

इम्पीरियल क्लब ने चखा जीत का स्वाद

सेवन ए साइड हाकी



वाराणसी। विवेक सिंह और राजलक्ष्मी के दो-दो गोलकी बदौलत इम्पीरियल क्लब ने यहां लालपुर स्थित डाक्टर भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल में खेली जा रही सरदार वल्लभ भाई पटेल मिश्रित सेवन ए साइड हाकी प्रतियोगितामें गुरुवार को यूनिटी क्लबको ६-२ से पराजित कर पहली जीत दर्ज की। इम्पीरियल क्लबने हारसे उबरते हुए शुरुआतसे ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। खेलके तीसरे मिनटमें ही विवेक सिंहने एकल प्रयास से गोल कर टीम का खाता खोल दिया। दो मिनट बाद ही दीपिका ने पुश शाट के सहारे बढ़तको २-० कर दिया। मध्यांतर से सात मिनट पहले आर्यन पटेल और सत्या पटेलने गोल कर यूनिटी क्लबको २-२ की बराबरी पर ला खड़ा किया। दूसरे हाफ में बदली रणनीतिके साथ उतरी इम्पीरियल क्लब की टीमने विपक्षी टीम पर आक्रामणकी झड़ी लगा दी। मोहित गौड़ ने यूनिटी क्लब के डिफेंस लाइन को चकमा देते हुए चिप शाट से गोल कर स्कोर ३-२ कर दिया। १२वें और १४वें मिनट में राजलक्ष्मी ने गोल कर इम्पीरियल को ५-२ से आगे कर दिया। मैच समाप्त होनेसे ठीक पहले विवेक सिंह ने गोल कर इम्पीरियल की ६-२ की जीत पर मुहर लगा दी।

स्वर और परीक्षिता ने मारी बाजी

वाराणसी। स्वर श्रीवास्तव और परीक्षिता दूबे ने सांसद खेलकूद प्रतियोगिताके तहत शिवपुर स्थित गुरुनानक इंग्लिश स्कूलमें खेली गयी शतरंज प्रतियोगिताके अण्डर-११ आयु वर्गमें क्रमश: बालक तथा बालिका वर्गमें चैम्पियन होनेका गौरव हासिल किया। इस आयु वर्गके बालकों में आरव सिंह दूसरे, आरुष सिंह तीसरे तथा आयुष सिंह चौथे एवं बालिका वर्ग में आरिका पिपलानी दूसरे, यशिका प्रताप सिंह तीसरे स्थानपर रही। अण्डर-१४ बालकों में शास्वत पाठक पहले, राजवीर यादव दूसरे, उज्जवल दूबे तीसरे, ऋषि दूबे चौथे स्थानपर रहे जबकि बालिका वर्ग में अनन्या सिंह चौहानने बाजी मारी। यशस्वी राजपूत दूसरे, हर्षिता उपाध्याय तीसरे तथा आरशिया खण्डेलवाल चौथे स्थानपर रहीं। मैच के पश्चात मेजबान विद्यालयकी प्राचार्य दलजीत कौर और तुषार सारस्वत ने पुरस्कार वितरित किये।

वाराणसी मण्डल की एकतरफा जीत

महिला हैण्डबाल



वाराणसी। राष्ट्रीय खिलाड़ियोंसे सुसज्जित वाराणसी मण्डलकी टीमने गुरुवारको झांसीमें खेली जा रही प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला हैण्डबाल प्रतियोगिताके एकतरफा मुकाबलेमें मीरजापुर मण्डलको १४-३ से पराजित किया। प्रीति पटेल और रितिका की अगुवाईमें वाराणसी मण्डलने आक्रामक शुरुआत की। मीरजापुर मण्डलकी टीम जबतक संभलती तबतक वाराणसीकी टीमने ४-० की बढ़त हासिल कर ली। मध्यांतर तक स्कोर वाराणसीके पक्षमें ७-२ रहा। दूसरे हाफमें वाराणसीके खिलाड़ियोंने दोनों विंगसे हमला बोला। नतीजा रहा कि मीरजापुर मण्डल की टीम गहरे दबावमें आ गयी और उसका खेल बिखर गया जिसका फायदा उठाते हुए वाराणसी मण्डलकी खिलाड़ियोंने मनचाहे अंदाजमें गोल दागे। जब लंबी सीटी बजी उस समय वाराणसी मण्डलकी टीम १४-३ गोलसे आगे थी। विजेता टीमकी ओरसे मैनेजर तरुण कुमारके कुशल निर्देशनमें विकास इण्टर कालेजकी आठ छात्राएं खेल रही थीं।

बिना बल्लेबाजी कोच के उतरेगी सीएसके

चेन्नई (एजेन्सियां)। पांच बार की आईपीएल चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आगामी आईपीएल २०२७ में बिना किसी विशेषज्ञ बल्लेबाजी कोच के मैदान पर उतर सकती है। टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यह फैसला नये मुख्य कोच जहीर खान ने लिया है। फ्रेंचाइजी ने साफ किया है कि वह पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज माइकल हसी की जगह किसी नये विशेषज्ञ बल्लेबाजी कोच की नियुक्ति नहीं करेगी। हसी लंबे समय तक टीम के साथ जुड़े रहे थे। अब चेन्नई नये कोचिंग माडल के साथ अगले सीजन में उतरने की तैयारी कर रही है। काशी विश्वनाथन ने बताया कि आगामी सीजन के लिए टीम का कोचिंग स्टाफ पूरा हो चुका है और उसमें बल्लेबाजी कोच का पद शामिल नहीं है। हालांकि हम बैटी को बल्लेबाजी मेंटर के रूप में इस्तेमाल करने के विकल्प पर विचार कर रहे हैं।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026

मेष-	आर्थिक प्रगति, सुसमाचार से खुशी, राजकीय लाभ, मित्रों का सहयोग, व्यवसाय में रुचि।
वृषभ-	खुशी का माहौल, प्रगति का सिलसिला, दाम्पत्य सुख, मनो-विनोद के अवसर, लाभ भी।
मिथुन-	भाग्योन्नति, व्यावसायिक सफलता, विवाद हल, आकस्मिक लाभ, धर्म में आस्था।
कर्क-	आरोग्य सुख में कमी, विश्वासघात, आर्थिक हानि, दाम्पत्य जीवन में कटुता, व्यय भी।
सिंह-	सुसमाचार की प्राप्ति, सद्विचारों का उदय, आत्मिक शांति, भोग-विलासिता में रुचि।
कन्या-	योजना पूर्ण, व्यापारिक उन्नति, विवाद हल, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, मनोविनोद।
तुला-	नवीन उपलब्धि, सलाह से कामयाबी, नौकरी में पदोन्नति, सद्विचारों का उदय।
वृश्चिक-	कार्यों में बाधा, आपसी मतभेद, मानसिक बेचैनी, लाभ में कमी, कर्ज की चिंता।
धनु-	अभिलाषा पूर्ण, मित्रों से विचार-विमर्श, व्यापारिक प्रगति, शुभकृत्य सम्पन्न, प्रसन्नता।
मकर-	आत्मिक शांति, निर्णय अनुकूल, धनागम का लाभ, व्यय की अधिकता, यात्रा सुखद।
कुम्भ-	समस्या का समाधान, धन संचय, परोपकार की भावना, मनोरंजन में रुचि, कर्ज निवृत्ति।
मीन-	सफलता में बाधा, अध्यात्म में अरुचि, सम्बन्धों में कटुता, धनागम में कमी, हानि।

आज है जिनका जन्मदिन 30 अक्टूबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 30 का मूलांक 3 का स्वामी ग्रह वृहस्पति एवं माह का अधिपति ग्रह शुक्र है। बुद्धिमान एवं उदार हृदय वाले व्यक्ति होंगे। जीवन सामान्य स्तर का होगा। आत्मविश्वास अटूट एवं दृढ़ होगा। जीवन में आर्थिक पक्ष को ज्यादा महत्व देंगे। किसी भी कार्य के बारे में सूक्ष्मता से जानना चाहेंगे। और उसे जल्द ही सीखने समझने में सक्षम होंगे। कोई भी कार्य स्वतन्त्र रूप से करना चाहेंगे। बहुत जल्दी क्रोधित हो जायेंगे। काम पड़ने पर विरोधियों के तलवे चाटने से पीछे नहीं हटेंगे। लेकिन कार्य सिद्धि के पश्चात् उसे छिटकाने में देर नहीं करेंगे। सामाजिक राजनैतिक गतिविधियों में अधिक रुचि लेंगे। कला-संगीत एवं साहसिक कार्यों की ओर भी झुकाव रहेगा। भोग-विलासिता व मौजमस्ती के निमित्त अधिक व्यय करेंगे। परिजनों से असहयोग मिलेगा। इष्ट देवी-देवता की आराधना करें। दैनिक जीवन में सफेद रंगों से सम्बन्धित वस्तुओं का प्रयोग अधिकतम करें। बृहस्पति ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान भी करें। सुख-समृद्धि व सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें।

आपके लिए शुभ

मन्त्र	: ॐ बृं बृहस्पतये नमः	मास	: मार्च, अक्टूबर एवं अक्टूबर
व्रत	: बृहस्पतिवार	वर्ष	: 3, 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66
दिन	: रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार	रंग	: सफेद एवं क्रीम
दिनांक	: 3, 12, 21, 30	जन्मरत्न	: पोखराज उपरत्न : गोल्डेन टोपाज
अंक	: 1, 7	जड़ी	: बेल की जड़ दिशा : ईशान

वर्ष का महत्वपूर्ण समय—19 फरवरी से 20 मार्च, 21 नवम्बर से 20 दिसम्बर

यन्त्र

10	5	12
11	9	7
6	13	8

सुडोकू ४०९९

सरीका खेलने का : दिमागी खेल और गणितों को पहेली है। तर्क से इसे हल कर सकते हैं। इस में नौ खानों के नौ खंभे दिए गए हैं। आपको 1 से 9 की संख्याएं इस तरह लिखनी हैं कि खड़ी और पड़ी लाइनों के डोरक खाने में 1 से 9 की सभी संख्याएं आएं। साथ ही 3×3 के डोरक खानों में भी 1 से 9 तक की संख्याएं हों। पहेली का हल कल देंगे।

हल: ४०९८

						5		
								3
9			6	4				
		8		7				
		3